प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारियों पर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रेजेन्टेशन दिया

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सभा स्थल पर पार्किंग, पेयजल, छाया की व्यवस्था के निर्देश दिए

जयपुर, 26 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी 4 जुलाई की प्रस्तावित राजस्थान यात्रा एवं पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं सभी तैयारियां तय समय तक पूर्ण करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सबसे बड़े प्रोजेक्ट एवं भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की शुरुआत होना गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सभा स्थल पर पार्किंग, पेयजल, बैठक व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर प्रधानमंत्री का कार्यक्रम लाइव दिखाने की व्यवस्था की जा रही है, वहां आमजन के लिए छाया, पानी, चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। इसके साथ ही, वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़ने वाली सभी ग्राम पंचायतों, नगरपालिकाओं और जिलों में तकनीकी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, जिन स्थानों पर प्रधानमंत्री का कार्यक्रम लाइव दिखाने की व्यवस्था की जा रही है, वहाँ आमजन के लिए छाया, पानी, चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

बैठक में अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रजेंटेशन दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, बालोतरा से एचआरआरएल के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

कोयले के ट्रक से टक्कर में बैंड पार्टी के 7 सदस्यों की मौत

रामगढ़,26 जून। रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर बारलोंग के समीप गुरुवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े सात लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद, आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-23 जाम कर दिया और सड़क सुरक्षा संबंधी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

पुलिस के अनुसार, बलसगरा के दो लोग और मरांगमरचा गांव के बैंड-ताशा पार्टी के सदस्य एक कार्यक्रम के सिलसिले में सवारी वाहन से मरांगमरचा पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वाहन में छह अन्य सदस्यों को लेकर सभी बलसगरा लौट रहे थे। इसी दौरान रामगढ़ की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे कोयला लदे एक ट्रक ने ओवरटेक करने के क्रम में सवारी वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि सवारी वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

राम मंदिर ट्रस्ट : महासचिव चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दिया

अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि इस्तीफे का निर्णय निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाये रखने के उद्देश्य से लिया गया

अयोध्या, 26 जून। रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दान में कथित चोरी के मामले की जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने शुक्रवार को अपने-अपने पद से इस्तीफा दे दिया। श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने दोनों के इस्तीफे की पुष्टि की है।

जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने त्यागपत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को सौंप दिए हैं। दोनों ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है, जब दान में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाही तेज हो गई है।

- एफआईआर दर्ज होने तथा आठ आरोपियों को हिरासत में लेने की पृष्ठभूमि में ट्रस्ट के पदाधिकारियों के इस्तीफे महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर गुरुवार को इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई थी। इसके बाद सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। जांच में तेजी आने के साथ ही ट्रस्ट के दोनों पदाधिकारियों के इस्तीफे को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

फिलहाल एसआईटी पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर रही है। जांच एजेंसी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

होर्मुज़ से निकलने वाले जहाज निर्धारित रुट का पालन करें- ईरान

ईरान ने चेतावनी दी कि तय मार्ग से हटकर गुजरने वालों की सुरक्षा का दायित्व वह नहीं लेगा

तेहरान,26 जून। ईरान की पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अफेयर्स अथॉरिटी (पीजीएसए) ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी जहाजों को निर्धारित ट्रांजिट मार्गों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया है। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि तय मार्गों से हटकर आवाजाही करने वाले जहाजों को सुरक्षित पारगमन की गारंटी, बीमा सुरक्षा और उससे संबंधित किसी भी दायित्व का लाभ नहीं मिलेगा।

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम न्यूज के अनुसार, गुरुवार को जारी बयान में पीजीएसए ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित और व्यवस्थित नौवहन सुनिश्चित करने के लिए ईरानी अधिकारियों द्वारा निर्धारित ट्रांजिट मार्गों का पालन आवश्यक है। यदि कोई जहाज निर्धारित ढ ांचे से बाहर किसी अन्य मार्ग का उपयोग करता है तो वह सुरक्षित मार्ग की गारंटी और आधिकारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे से बाहर माना जाएगा। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति वाले मार्गों से नौवहन के कारण यदि कोई दुर्घटना, सुरक्षा संबंधी समस्या या अन्य नुकसान होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित जहाज के मालिक, संचालक और कप्तान की होगी। ऐसे मामलों में ईरानी प्रशासन किसी प्रकार की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करेगा।

- ये निर्देश ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद मैमोरेंडम पर हस्ताक्षर होने के बाद जारी किये गए।

बयान में कहा गया है कि यह निर्देश ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर के बाद जारी किया गया है। इस समझौते के तहत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाजों की सुरक्षित और सुचारु आवाजाही के लिए ट्रांजिट संबंधी प्रक्रियाएं तथा दिशा-निर्देश तय किए गए हैं।

पीजीएसए के अनुसार, निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए ट्रांजिट अनुरोध प्रस्तुत करने वाले जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पारगमन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए जहाजों को जलडमरूमध्य के निर्धारित क्षेत्र में प्रवेश से कम से कम 48 घंटे पहले पीजीएसए के आधिकारिक माध्यम से आवेदन करना होगा। आवेदन में वैध संचार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना भी अनिवार्य होगा।

मध्यप्रदेशः ताजिये में करंट आने से तीन की मौत

रतलाम, 26 जून। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पिपलौदा क्षेत्र के ग्राम हतनारा में मोहर्रम जुलूस के दौरान गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया। ताजिया के 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से उसमें करंट फैल गया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग झुलस गए।

हादसे के बाद, जुलूस में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। ग्रामीणों और निजी वाहनों की मदद से घायलों को तत्काल रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, घटना रात करीब 11:15 बजे की है। पंचमुखी महादेव मंदिर और मस्जिद के बीच मुख्य मार्ग से ताजिया निकाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ताजिया करीब 10 से 12 फीट ऊंचा था, लेकिन लोगों द्वारा उठाने के बाद इसकी ऊंचाई करीब 16 से 17 फीट तक पहुंच गई। इसी दौरान ताजिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया और जोरदार आवाज के साथ करंट फैल गया।

- दस- बारह फिट ऊंचा ताजिया लोगों द्वारा उठाने पर 16-17 फिट ऊंचा हो गया और हाईटेंशन लाइन से टकरा गया।

इस हादसे में ग्राम हतनारा निवासी अरबाज खान, रशीद खान और सड्डू खान की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

दिल्ली की ''शील्ड'' (रक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया। करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं, जिसके बाद हुई हल्की बारिश और गरज के कुछ राहत मिली।

शहर में खुले पड़े निर्माण सामग्री के ढेर और खुदाई में निकलने वाली मिट्टी के कारण दिल्ली में स्थानीय स्तर पर धूल की मात्रा और बढ़ जाती है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मई और जून के दौरान धूल भरी तेज हवाओं को लेकर कई 'नाउकास्ट' चेतावनियां जारी कीं। 'नाउकास्ट' अचानक बदलने वाले मौसम के लिए अल्पकालिक स्थानीय चेतावनी होती है। हर साल मानसून से पहले दिल्ली में ऐसी आंधियां कई बार आती हैं, हालांकि उनकी तीव्रता और संख्या हर वर्ष अलग-अलग होती है।

धूल भरी आंधियां प्राकृतिक घटनाएं हैं, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ता वैश्विक तापमान इन्हें और अधिक खतरनाक बना रहा है।

गर्मियों में ज्यादा गर्मी के कारण वातावरण में ज्यादा ऊर्जा जमा हो जाती है। इससे वही अस्थिर मौसम बनता है, जिसके कारण ये धूल भरी आंधियाँ चलती हैं। इस बात पर अभी स्पष्ट सहमति नहीं है कि इनकी संख्या बढ़ रही है, लेकिन इनके पीछे की हीटवेव (लू) और अस्थिर मौसम की स्थिति पहले से अधिक गंभीर होती जा रही है।

इसके बाद, यह धूल शहर के प्रदूषण में मिल जाती है, जिससे वायु की गुणवत्ता बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाती है।

दशकों से हो रहे खनन, पेड़ों की कटाई और अनियन्त्रित निर्माण कार्यों ने अरावली पर्वतमाला में दरारें और खाली जगह बना दी हैं। इससे अधिक मात्रा में धूल सीधे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) तक पहुंच जाती है।

यही एक कारण है कि सड़क की धूल, जिसका बड़ा हिस्सा निर्माण कार्य और टूटी-फूटी सड़कों से पैदा होता है, मोटे पीएम10 कणों का सबसे बड़ा स्रोत बन गई है। पीएम10 ऐसे कण होते हैं, जिनकी चौड़ाई 10 माइक्रोमीटर तक होती है, जो इंसान के बाल की मोटाई से भी कई गुना पतले होते हैं।

निर्माण कार्यों से रेगिस्तान जैसे बड़े तूफान नहीं उठते। इनके कारण शहर में बड़ी मात्रा में धूल अस्तित्व में आ जाती है, जिसे हवा आसानी से उड़ा लेती है। जब थार रेगिस्तान से धूल भरी आंधी आती है, तो उसकी तेज हवाएं शहर में पहले से जमी इस धूल को भी दोबारा हवा में उड़ा देती हैं। इसके बाद रेगिस्तान की धूल और शहर की धूल मिल जाती हैं, जिससे पीएम10 और उससे भी छोटे, पीएम2.5 कणों की मात्रा तेजी से बढ़ जाती है और आंधी खत्म होने के काफी समय बाद तक ये कण हवा को खतरनाक बनाये रखते हैं।

ये धूल भरी आंधियां मुख्य रूप से मानसून से पहले के मौसम में, मार्च से जून के बीच, सबसे अधिक आती हैं। मानसून आने के बाद, बारिश धूल को बैठा देती है और जमीन को ठंडा कर देती है, जिससे इन आंधियों में कमी आ जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 6 भारतीय सैनिक सम्मानित

नई दिल्ली, 26 जून। सरकार ने पहली बार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए 6 भारतीय सैनिकों के नाम सार्वजनिक किए हैं। पहलगाम में हुये आतंकी हमले के बाद, ऑपरेशन सिंदूर पिछले साल मई में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए चलाया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इन छह सैनिकों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट पर रोल ऑफ ऑनर सेक्शन में प्रकाशित किए गए हैं। नई दिल्ली में नेशनल वॉर मेमोरियल में भी इनके नाम लिखे गए हैं। शहीदों में भारतीय सेना के 5 जवान और भारतीय वायुसेना के एक सार्जेंट शामिल हैं। दो शहीदों को सरकार ने उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित भी किया है।

डीजीपी राजीव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय वियोग को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

एनआईए में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता है मान के वीडियो की फर्जी रिपोर्ट देने वाला

गिरफ्तार किये गये दोनों आरोपी किसी भी फॉरेंसिक लैब से संबंधित नहीं हैं

गुरुग्राम, 27 जून। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित विवादित वीडियो को फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट से क्लीन चिट देने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। गुरुग्राम पुलिस की जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए दो ओपियों में से एक आरोपी अंकित राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता है। दूसरा आरोपी अरुण पंचकूला में परिवार पहचान पत्र कार्यालय में काम करता है। गिरफ्तार किए गए ये दोनों आरोपी किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त फॉरेंसिक लैब से नहीं जुड़े हैं। फिलहाल पुलिस ने रुपयों के लेन-देन की जांच करने के लिए दोनों आरोपियों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और जांच जारी है।

- गुरुग्राम पुलिस को होटल क्राउन प्लाज़ा के एंट्री रजिस्टर में लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा व एसपी जसदीप गिल के नाम मिले।

गुरुग्राम पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने यह बात स्वीकार भी की है कि उनका किसी तकनीकी या साइबर फॉरेंसिक लैब से कोई संबंध नहीं है। पैसों के लालच में उन्होंने फर्जी रिपोर्ट तैयार की थी। आरोपी अंकित के एनआईए से संबंध पाए जाने पर गुरुग्राम पुलिस ने पूरे मामले की सूचना एनआईए के वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) नवीन शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पंजाब पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी उजागर हुए हैं। अब उनकी भूमिका और आरोपियों से हुई बातचीत के तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा है। पुलिस ने गुरुग्राम के क्राउन प्लाजा होटल से सीसीटीवी फुटेज और आगंतुकों का एंट्री रजिस्टर भी जब्त किया है। होटल के रिकॉर्ड में लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा और एसपी जसदीप गिल के नाम मिले हैं।

वेनेज़ुएला में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस आपदा से लगभग 67.6 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें करीब 20 लाख लोग अकेले राजधानी काराकास में रहते हैं।

पहली हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल जींद और दिल्ली के बीच चल रहा है

जींद, 26 जून। हरियाणा के जींद रेलवे जंक्शन से हाइड्रोजन ट्रेन को शुक्रवार को हाई-स्पीड ट्रायल के लिए दो डीजल इंजनों के साथ दिल्ली रवाना किया गया। जींद से दिल्ली तक ट्रेन की गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इसके बाद दिल्ली-सोनीपत रेलखंड पर विभिन्न चरणों में ट्रेन का परीक्षण किया गया।

इस दौरान, दिल्ली से सोनीपत रूट पर ट्रेन का ट्रायल 85 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से किया गया। वहीं सोनीपत से दिल्ली जाते समय भी ट्रेन की स्पीड 85 किलोमीटर प्रति घंटा थी। इसके बाद दिल्ली से सोनीपत जाते समय ट्रेन की स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित रखी गई। वहीं सोनीपत से दिल्ली रूट पर 100 किलोमीटर प्रति घंटा की गति निर्धारित रखी गई। दिल्ली से सोनीपत आते समय अंतिम चक्कर में 120 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड रखी गई। इसके बाद ट्रेन सोनीपत से वापस जींद आएगी। हाई स्पीड ट्रायल की तैयारियों को लेकर 24 जून को आरडीएसओ (रेलवे डिजाइन संगठन मानक) टीम जींद रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी। टीम ने हाइड्रोजन ट्रेन के अंदर वायरिंग और प्लेटिंग का काम पूरा किया। शुक्रवार को ट्रेन का हाई स्पीड ट्रायल किया गया।

- हाई स्पीड ट्रायल के हर चरण में ट्रेन की स्पीड बढ़ाई गई

गौरतलब है कि हाइड्रोजन ट्रेन का इससे पहले 75 और 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल हो चुका है। शुक्रवार को हाई स्पीड टेस्ट के दौरान, हर बारीक पहलू पर नज़र रखी जायेगी। ट्रायल में ब्रेकिंग सिस्टम, इंजन की क्षमता, कंपन सिस्टम ट्रैक पर स्थिरता जैसी परिस्थितियों का आंकलन किया गया।

ट्रायल के दौरान ट्रेन की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा मानकों की जांच होगी। हाई स्पीड परीक्षण के लिए बाहर से हाइड्रोजन गैस का एक विशेष टैंकर मंगवाया गया था, ताकि ट्रेन को पर्याप्त ईंधन मिल सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह परीक्षण हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। इसके सफल रहने पर देश में स्वच्छ ऊर्जा आधारित रेल संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारत ने दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहत सामग्री तथा दो भीष्म क्यूब्स शामिल हैं, जिनका उपयोग आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल चिकित्सा सहायता और राहत कार्यों के लिए किया जाएगा। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत इस कठिन समय में वेनेजुएला की सरकार और वहां के नागरिकों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी सहयोग जारी रखेगा।

अमेरिका के रिज़र्व बैंक के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ग्रीनस्पैन यूरोप में वित्तीय विशेषज्ञों के एक सम्मेलन में शामिल होने गए हुए थे। तत्काल अमेरिका लौटने में उन्हें कठिनाई हुई। उस समय अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने में फैडरल रिज़र्व और उसकी मॉनिटरी पॉलिसी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी।

ग्रीनस्पैन का फॉमूला था, बैंक और फायनैंशियल सिस्टम से, धन का प्रवाह किसी भी कीमत पर बनाए रखने के लिए कहना। यदि आवश्यकता पड़ी तो लेंडर ऑफ लास्ट रिज़ॉर्ट (आखिरी उम्मीद के तौर पर कर्ज़ देने वाले) के तौर पर फैडरल रिज़र्व संकट के दौरान बैंकों को रीफाइनेंस उपलब्ध कराएगा। आखिरकार, पर्ल हार्बर के बाद अमेरिका ने अपने ऊपर इतना बड़ा हमला पहली कभी नहीं देखा था।

11 सितंबर के हमलों के बाद ग्रीनस्पैन का फार्मूला कामयाब रहा और बाजारों का भरोसा व स्थिरता वापस आ गई। इससे ग्रीनस्पैन के उस विश्वास को मजबूती मिली कि यदि बाजार को समय और अवसर दिया जाए तो वह स्वयं को सुधारने और फिर से मजबूत करने की क्षमता रखता है। अमेरिकी पूंजीवाद की आत्म-पुनर्निर्माण क्षमता पर उनका भरोसा सही साबित होता दिखाई दिया।

ग्रीनस्पैन की सोच अमेरिकी बैंकिंग व्यवस्था में गहराई तक समा गई थी और उनके फैडरल रिज़र्व छोड़ने के बाद भी उनकी विरासत आगे बढ़ती रही।

हालांकि, संभवत: ग्रीनस्पैन यह समझते थे कि अत्यधिक उदार मौद्रिक नीति और लगातार कम ब्याज दरों के जरिए वित्तीय व्यवस्था में नकदी भरने से अंतत: एक अस्थिर बुलबुला (बबल) बन सकता है। लेकिन उन्होंने न तो इसे खुले तौर पर स्वीकार किया और न ही ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कोई ठोस नीति विकसित की।

इसी दौरान उन्होंने वित्तीय क्षेत्र में नए-नए नवाचारों और जटिल तथा कम पारदर्शी वित्तीय साधनों के विकास को भी बढ़ावा दिया। इनमें प्रतिभूतियों का सेक्यूरिटाइजेशन और डेरिवेटिव कारोबार जैसे आधुनिक वित्तीय उत्पाद शामिल थे। शुरुआत में इनका दायरा नियंत्रित रहा, लेकिन धीरे-धीरे इनका आकार इतना बढ़ गया कि उस पर नियंत्रण रखना कठिन हो गया।

जब अमेरिका में सब-प्राइम ऋण संकट पैदा हुआ, तब वित्तीय व्यवस्था इतनी जटिल और जोखिमपूर्ण हो चुकी थी कि वह इस संकट का सामना करने के लिए तैयार नहीं थी। कारोबार का स्तर टिकाऊ सीमा से काफी आगे निकल चुका था। यह भी एलन ग्रीनस्पैन की उस अटूट मान्यता का परिणाम था कि अमेरिकी पूंजीवादी बाजार स्वयं अपनी गलतियों को सुधारने की क्षमता रखता है।

2006 में फैडरल रिज़र्व से सेवानिवृत्त हो चुके एलन ग्रीनस्पैन की नीतियों और बाजार संबंधी दर्शन का असर इतना व्यापक था कि उन्होंने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया। इसका प्रभाव केवल बड़े निवेशकों और वित्तीय संस्थानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दुनिया के दूर-दराज़ क्षेत्रों में रहने वाले छोटे बचतकर्ताओं तक भी पहुंचा, जो वॉशिंगटन डी.सी. की चमक-दमक से कोसों दूर थे।

बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अल्पसंख्यक मामले एवं मदरसा शिक्षा (माइनॉरिटी अफेयर्स एण्ड मदरसा एजुकेशन- एमएएमई) विभाग के बजट में 62 प्रतिशत की कटौती की है। इसके तहत, बजट आवंटन 5,713 करोड़ रुपये से घटाकर 2,165 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इस कटौती को लेकर राज्य में बड़ी राजनीतिक बहस शुरु हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने मदरसा शिक्षा को बढ़ावा देकर अल्पसंख्यक मुसलमानों को ''मूर्ख'' बनाया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अभिभावकों से अपील कर रही है कि वे अपने बच्चों को मदरसा शिक्षा पर निर्भर रखने के बजाय, प्रोफेशनल और तकनीकी शिक्षा की ओर बढ़ाएं। इस बीच, पश्चिम बंगाल के लिए तैयार किए गए यूसीसी विधेयक के मसौदे में लिव-इन संबंधों का पंजीकरण अनिवार्य करने और तलाक के लिए सभी समुदायों पर समान कानूनी प्रक्रिया लागू करने का भी प्रस्ताव भी है।

ऑयल संकट कुछ कम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मॉनसून के मुख्य महीनों के दौरान अल नीनो और मज़बूत होता है, तो खाने-पीने की चीज़ों की कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है।

लेकिन यह कहानी अब सिर्फ़ खेतों और गांवों तक ही सीमित नहीं है। भारत भी बढ़ती गर्मी के तनाव से जूझ रहा है, खासकर तेज़ी से फैलते शहरों में। अर्बन हीट आइलैंड, जहाँ बनी-बनाई इमारतें और सड़कें गर्मी को रोकती और बढ़ाती हैं, के कारण शहरों का तापमान आस-पास के ग्रामीण इलाकों की तुलना में कई डिग्री ज़्यादा हो जाता है। इसके सीधे आर्थिक नतीजे होते हैं। गर्मी से काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी) घटती है, ऊर्जा की मांग बढ़ती है, पानी की सप्लाई पर दबाव पड़ता है और लोगों की सेहत को खतरा बढ़ जाता है।

अध्ययनों का अनुमान है कि 2030 तक गर्मी की वजह से प्रोडक्टिविटी में कमी आने से भारत में लगभग 3.4 करोड़ (34 मिलियन) फुल-टाइम नौकरियों के बराबर काम का नुकसान हो सकता है। लखनऊ, चेन्नई और सूरत जैसे शहरों में अत्यधिक और लंबे समय तक रहने वाली गर्मी के कारण आर्थिक उत्पादन में साफ़ कमी आने का अनुमान है। चूंकि शहरी केन्द्र भारत की जी.डी.पी. का लगभग दो-तिहाई हिस्सा पैदा करते हैं, इसलिए गर्मी और पानी की कमी को अब सिर्फ़ मौसम की समस्या नहीं, बल्कि बड़ी आर्थिक चुनौतियों के तौर पर देखा जा रहा है।

रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (आर.बी.आई.) के लिए, कमज़ोर मॉनसून एक मुश्किल पॉलिसी-दुविधा पैदा करता है। केन्द्रीय बैंक महंगाई पर बारीकी से नज़र रख रहा है और साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश भी देख रहा है। अगर कम बारिश की वजह से खाने-पीने की चीज़ों की कीमतें तेज़ी से बढ़ती हैं, तो आर.बी.आई. के पास मॉनेटरी पॉलिसी को और आसान बनाने की गुंजाइश कम हो सकती है। ऐसे में ऊँची ब्याज दरों का असर मकानों की मांग, उपभोक्ता खर्च और कारोबारी निवेश पर पड़ सकता है, जबकि अर्थव्यवस्था को इस समय व्यापक गति की जरूरत है।

बड़ा सबक यह है कि जलवायु से जुड़े जोखिम भारत के आर्थिक भविष्य के साथ गहराई से जुड़ते जा रहे हैं। तेल की कीमतों में अचानक बदलाव, बारिश में उतार-चढ़ाव, पानी की कमी और भीषण गर्मी को अब अलग-अलग घटनाओं के तौर पर नहीं देखा जा सकता। ये सब मिलकर महंगाई, रोज़गार, प्रोडक्टिविटी और विकास पर असर डालते हैं।

जैसे-जैसे अगले कुछ हफ़्तों में मॉनसून का मौसम आगे बढ़ेगा, पॉलिसी बनाने वाले आसमान पर उतनी ही बारीकी से नज़र रखेंगे, जितनी वे ग्लोबल ऑयल मार्केट पर रखते हैं। इसके नतीजे न सिर्फ़ इस साल की फ़सल पर असर डाल सकते हैं, बल्कि पूरे देश में महंगाई, ब्याज दरों और आर्थिक भरोसे की दिशा भी तय कर सकते हैं।

दक्षिण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैलाशानंद गिरी महाराज ने उन्हें मां की चुनरी ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। महाराज ने जैकब को वर्ष 2029 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले चुनाव में विजयी होने का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि धर्म सत्ता के मार्गदर्शन से ही राजसत्ता को मानव कल्याण और विकास की प्रेरणा मिलती है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा सनातन संस्कृति और संतों का सम्मान करने वाले व्यक्ति हैं। दक्षिण अफ्रीका के विकास और जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में उनका विशेष योगदान रहा है।

एआईसीसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चरण दास के साथ उनके मतभेदों की भी चर्चा रही है। कुल मिलाकर, लंबे समय से प्रतीक्षित इस संगठनात्मक फेरबदल के पहले चरण को काफी निराशाजनक माना जा रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908